सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हिंदीतर भाषी कर्मचारियों के लिए तीन-दिवसीय "व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम" का आयोजन

Three-Day Personal Contact Programme for Non-Hindi Employees conducted at CSIR-CEERI, Pilani

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में हिंदीतर भाषी सहकर्मियों के लिए राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे प्रबोध व प्राज्ञ पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों के लाभार्थ ***19-21 दिसंबर 2016*** तक तीन-दिवसीय ***व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम*** का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, के सहायक निदेशक श्री करण सिंह संस्थान में आए हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी प्रबोध तथा प्राज्ञ पाठ्यक्रम के हिंदीतर भाषी प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान करना तथा उन्हें भाषा व व्याकरण संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। जुलाई 2016 से मई 2017 के वर्तमान सत्र में संस्थान के 12 सहकर्मी पंजीकृत हैं जिसमें 10 प्रशिक्षार्थी प्राज्ञ तथा 02 प्रशिक्षार्थी प्रबोध पाठ्यक्रम में प्रशिक्षणरत हैं। 19 दिसंबर 2016 को आयोजित उद्घाटन सत्र में आमंत्रित संकाय सदस्य व प्रशिक्षार्थियों अतिरिक्त संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक भी उपस्थित थे।

आरंभिक सत्र में संबोधित करते हुए श्री करण सिंह, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली

अपने संबोधन में ***श्री करण सिंह, सहायक निदेशक,*** केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली ने कहा कि उन्हें खुशी है कि सीरी के प्रशिक्षार्थी अपना प्रशिक्षण गंभीरता से कर रहे हैं। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने प्रशिक्षार्थियों का आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की भाषा शिक्षण जैसी योजनाओं से लाभान्वित हों और गंभीरता से प्रशिक्षण पूरा करें। उन्होंने कहा कि कोई भी सीखी हुई चीज़ कभी भी व्यर्थ नहीं जाती। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए राजभाषा हिंदी सीखने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मातृभाषा हम सभी की पहचान है और उससे जुड़ाव जरूरी ही नहीं अनिवार्य भी है। साथ ही हिंदी सीखने-सिखाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अपनी पहचान या जड़ों से दूर हो जाएँ। उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों को शुभकामना दी।

उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी

इस अवसर पर ***प्रशासन नियंत्रक श्री के पी शर्मा*** ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। इस अवसर पर प्रशासन नियंत्रक श्री के पी शर्मा ने हिंदी शिक्षण की अनिवार्यता व महत्व पर प्रकाश डाला। हिंदी शिक्षण की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि केंद्रीय सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी का ज्ञान अनिवार्य है और इसी के अंतर्गत संस्थान में हिंदीतर भाषी सहकर्मियों के लिए भाषा शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। प्रशासन नियंत्रक ने कहा कि आज राष्ट्रीय ही नही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी का प्रसार बढ़ा है। अंत में सभी प्रशिक्षार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें क्योंकि इससे हमारे संस्थान की प्रतिष्ठा भी जुड़ी है।

स्वागत उद्बोधन में हिंदी शिक्षण की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक, सीएसआईआर-सीरी

इससे पूर्व संस्थान के क्लास रूम-1 में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में ***श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी*** ने अतिथि संकाय सदस्य श्री करण सिंह व प्रशासन नियंत्रक श्री के पी शर्मा का स्वागत किया तथा प्रशिक्षार्थियों को संकाय सदस्य का संक्षिप्त परिचय दिया। श्री रमेश बौरा ने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता व महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाषाएँ हमें एक-दूसरे से जोड़ती हैं और हिंदी देश की राजभाषा ही नहीं संपर्क भाषा भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रशिक्षार्थी अपने पाठ्यक्रम के संबंध में अपनी सभी शंकाओं का समाधान करेंगे तथा प्रश्न पूछ कर संस्थान में विद्वान विशेषज्ञ की उपस्थिति का लाभ उठाएँगे।

प्रशिक्षार्थियों को अभ्यास कराते हुए श्री करण सिंह, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली

आरंभिक सत्र के उपरांत श्री करण सिंह ने पाठ्यक्रम व प्रश्न पत्र के प्रारूप की जानकारी दी। साथ ही आगामी वार्षिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षार्थियों को विगत वर्ष के प्रश्न पत्र का भी अभ्यास कराया गया। दोनों ही दिन श्री सिंह ने अत्यंत गहन सत्रों में प्रशिक्षार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों द्वारा किए गए अभ्यास कार्य को देखा व उस पर चर्चा की। उन्होंने प्रबोध व प्राज्ञ पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षार्थियों को भाषा के अध्ययन संबंधी महत्वपूर्ण सूत्र (टिप्स) भी दिए।

समापन सत्र में हिंदी अधिकारी ***श्री रमेश बौरा*** ने संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, मुख्य वैज्ञानिक का स्वागत किया। उन्होंने डॉ खन्ना को तीन-दिवसीय व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के दौरान हुई गतिविधियों की जानकारी दी।

समापन सत्र में तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी

समापन सत्र में प्रशिक्षार्थियों व उपस्थित सहकर्मियों को संबोधित करते हुए डॉ पी के खन्ना, मुख्य वैज्ञानिक एवं राकास सदस्य, सीएसआईआर-सीरी

डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अतिथि संकाय सदस्य द्वारा संस्थान के कर्मचारियों को प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने, उनका ज्ञानवर्धन व मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने संस्थान में राजभाषा प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए श्री रमेश बौरा की सराहना की। उन्होंने संस्थान की ओर से श्री करण सिंह को ***स्मृति चिह्न*** भेंट किया।

श्री सिंह ने भी प्रशिक्षण के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों की गंभीरता की प्रशंसा की और उनसे अभ्यास/उत्तर किटें मूल्यांकन हेतु भिजवाने के लिए कहा। प्रशिक्षार्थी सहकर्मियों ने भी इस तीन-दिवसीय कार्यक्रम से हुए लाभ के बारे में बताया। समापन सत्र में प्रशिक्षार्थियों के अतिरिक्त प्रशासन एवं अन्य अनुभागों/विभागों के सहकर्मी भी उपस्थित थे।